



Quran Plus School



नमाज़ का तरीका

मालिकी

وَأَقِمْوَا الصَّلَاةَ

कुरआन 2:43

बच्चों और नए सीखने वालों के लिए क़दम-ब-क़दम — क्या करना है, क्या पढ़ना है और उसका मतलब क्या है।

क़दम-ब-क़दम

अरबी

हिंदी उच्चारण

हिंदी मतलब

यह गाइड इसकी है:



ऑनलाइन खोलें
पाँचों मसलक · चार्ट



नमाज़ का तरीका — मालिकी

इस फ़िक्रह का परिचय

इमाम मालिक बिन अनस (93-179 हिजरी, मदीना मुनव्वरा) से मंसूब। ज़्यादातर उत्तरी और पश्चिमी अफ़्रीका और खलीज के कुछ हिस्सों में माना जाता है।

नमाज़ से पहले



वुजू करें।



जिस्म, कपड़े और नमाज़ की जगह پاک हो।



जिस्म अच्छी तरह ढकें (लड़कियाँ और औरतें चेहरे और हाथों के सिवा पूरा जिस्म)।



नमाज़ उसके वक़्त में, क़िबला रुख़ होकर पढ़ें।

पाँचों नमाज़ों की रकअतें

फ़ज़्र	जुहर	अस्र	मग़रिब	इशा	वित्र
2	4	4	3	4	2 रकअत (शफ़अ) के बाद 1 रकअत — सुन्नत
फ़र्ज़ · पहली दो में बुलंद आवाज़ से	फ़र्ज़ · आहिस्ता	फ़र्ज़ · आहिस्ता	फ़र्ज़ · पहली दो में बुलंद आवाज़ से	फ़र्ज़ · पहली दो में बुलंद आवाज़ से	

यह गाइड कैसे इस्तेमाल करें

- क्रदम पूरी नमाज़ दिखाते हैं। दो रकअत वाली नमाज़ (जैसे फ़ज़्र) में दूसरी रकअत के बाद वाला क़ादा ही आखिरी क़ादा है — सीधे «क़ादा-ए-अख़ीरा» पर जाएँ।
- ♦ का निशान बताता है कि इस क्रदम में मसलकों का फ़र्क़ है। मुफ़्त तुलना चार्ट में पाँचों एक साथ देखें।
- असल मतन अरबी है; उच्चारण वाली लाइन सिर्फ़ मदद के लिए है। सही तलफ़्फ़ूज़ किसी उस्ताद से सीखें।
- पहले हरकतें सीखें, फिर एक-एक करके अल्फ़ाज़ याद करें। किसी बड़े के साथ मशक़ करें।

एहतिराम की बात

नमाज़ के ये पाँचों तरीक़े क़ुरआन और सुन्नत ही से लिए गए हैं; हर मक़तब-ए-फ़िक्र ने दलीलों को अपनी समझ के मुताबिक़ लिया है। यह बच्चों और नए सीखने वालों के लिए एक आसान रहनुमा है, जैसा कि हर मक़तब में आम तौर पर सिखाया जाता है — अपने मसलक पर अमल करें और तफ़सील किसी मुस्तनद आलिम या उस्ताद से सीखें।

लड़कियों और औरतों के लिए

लड़कियाँ और औरतें रुकू और सज्दे में बाजू जिस्म से मिलाकर और सिमटकर रहें।



नमाज़ का तरीका — मालिकी

1 नीयत

क़िबला रुख़ खड़े हों और दिल में उस नमाज़ की नीयत करें जो आप पढ़ने जा रहे हैं (जैसे फ़ज़्र की 2 रकअत फ़ज़्र)।

2 तकबीर-ए-तहरीमा

◆ मसलकों में फ़र्क

दोनों हाथ कंधों तक उठाएँ और “अल्लाहु अकबर” कहें। हाथ सिर्फ़ इसी तकबीर में उठाए जाते हैं।

तकबीर

اللَّهُ أَكْبَرُ
अल्लाहु अकबर

मतलब: अल्लाह सबसे बड़ा है।

3 हाथ छोड़कर

◆ मसलकों में फ़र्क

हाथ दोनों तरफ़ छोड़ दें (सदल) — फ़ज़्र नमाज़ों में मालिकी मसलक का मशहूर तरीका यही है।

4 सूरह फ़ातिहा और आमीन

◆ मसलकों में फ़र्क

फ़ज़्र नमाज़ों में तकबीर के फ़ौरन बाद सूरह फ़ातिहा शुरू करें — न दुआ-ए-इस्तिफ़्ताह, न तअव्वुज़ और बिस्मिल्लाह। सूरह फ़ातिहा के बाद आहिस्ता से “आमीन” कहें। इमाम के पीछे सिरी (आहिस्ता आवाज़ वाली) नमाज़ों में सूरह फ़ातिहा पढ़ें और जहरी (बुलंद आवाज़ वाली) नमाज़ों में सुनें।

सूरह फ़ातिहा

📖 कुरआन 1:2-7

الْحَمْدُ لِلَّهِ رَبِّ الْعَالَمِينَ ۝ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ ۝ مَلِكِ يَوْمِ الدِّينِ ۝ إِيَّاكَ نَعْبُدُ وَإِيَّاكَ
نَسْتَعِينُ ۝ اِهْدِنَا الصِّرَاطَ الْمُسْتَقِيمَ ۝ صِرَاطَ الَّذِينَ أَنْعَمْتَ عَلَيْهِمْ ۝ غَيْرِ
الْمَغْضُوبِ عَلَيْهِمْ وَلَا الضَّالِّينَ

अल्हम्दु लिल्लाहि रब्बिल-आलमीन। अर्हरहमानिर-रहीम। मालिकि यौमिद-दीन। इय्याका नअबुदु व इय्याका नस्तईन।
इहिदिनस-सिरातल-मुस्तक़ीम। सिरातल-लज़ीना अन्अम्ता अलैहिम, ग़ैरिल-मग़ज़ूबि अलैहिम व लज़-ज़ाल्लीन

मतलब: सब तारीफ़ें अल्लाह के लिए हैं जो सारे ज़हानों का रब है, बहुत मेहरबान, बहुत रहम करने वाला, बदले के दिन का मालिक। हम तेरी ही इबादत करते हैं और तुझ ही से मदद माँगते हैं। हमें सीधा रास्ता दिखा, उन लोगों का रास्ता जिन पर तूने इनाम किया, न उनका जिन पर ग़ज़ब हुआ और न गुमराहों का।



नमाज़ का तरीका — मालिकी

4 · सूरह फ़ातिहा और आमीन (जारी)

आमीन

सहीह बुखारी 780

آمِین
आमीन

मतलब: ऐ अल्लाह! कबूल फ़रमा।

5 एक सूरह

पहली दो रकअतों में सूरह फ़ातिहा के बाद कोई सूरह या चंद आयतें पढ़ें — जैसे सूरह इखलास।

एक छोटी सूरह — सूरह इखलास

कुरआन 112:1-4

قُلْ هُوَ اللَّهُ أَحَدٌ ۝ اللَّهُ الصَّمَدُ ۝ لَمْ يَلِدْ وَلَمْ يُولَدْ ۝ وَلَمْ يَكُنْ لَهُ كُفُوًا
أَحَدٌ

कुल हुवल्लाहु अहद। अल्लाहुस-समद। लम यलिद व लम यूल्द। व लम यकुल-लहू कुफुवन अहद

मतलब: कह दीजिए: वह अल्लाह एक है। अल्लाह बेनियाज़ है। न उसकी कोई औलाद है और न वह किसी की औलाद है। और कोई उसके बराबर नहीं।

6 रुकू

“अल्लाहु अकबर” कहकर रुकू करें: हाथ घुटनों पर, कमर सीधी। अल्लाह की तस्बीह करें, जैसे:

रुकू की तस्बीह

सहीह मुस्लिम 772

سُبْحَانَ رَبِّيَ الْعَظِيمِ
सुब्हाना रब्बियल-अज़ीम

मतलब: पाक है मेरा रब जो अज़मत वाला है।

किसी बड़े के साथ मशक़

अम्मी-अब्बू या उस्ताद के सामने आहिस्ता-आहिस्ता दो रकअत पढ़ें। हर दिन एक खाना रंग दें।

सोम

मंगल

बुध

जुमेरात

जुम्मा

शनि

इतवार



नमाज़ का तरीका — मालिकी

7 क़ौमा

सीधे खड़े हो जाएँ। इमाम पहला जुमला कहे, मुक़तदी दूसरा; अकेले हों तो दोनों कहें:

रुकू से उठते हुए

सहीह बुखारी 796

سَمِعَ اللَّهُ لِمَنْ حَمِدَهُ
समिअल्लाहु लिमन हमिदह

मतलब: अल्लाह ने उसकी सुन ली जिसने उसकी तारीफ़ की।

क़ौमे की तहमीद

सहीह बुखारी 735

رَبَّنَا وَلَكَ الْحَمْدُ
रब्बना व लकल-हम्द

मतलब: ऐ हमारे रब! और सब तारीफ़ तेरे ही लिए है।

8 सज्दा ◆ मसलकों में फ़र्क़

“अल्लाहु अकबर” कहकर सज्दे में जाएँ, घुटनों से पहले हाथ ज़मीन पर रखें; माथा और नाक ज़मीन पर हों। अल्लाह की तस्बीह करें, जैसे:

सज्दे की तस्बीह

सहीह मुस्लिम 772

سُبْحَانَ رَبِّيَ الْأَعْلَى
सुब्हाना रब्बियल-अअला

मतलब: पाक है मेरा रब जो सबसे बुलंद है।

9 जलसा

उठकर बैठें (बाएँ कूल्हे पर, दायाँ पैर खड़ा), फिर इसी तरह दूसरा सज्दा करें।

10 दूसरी रकअत

दूसरी रकअत के लिए खड़े हों और उसे पहली की तरह पढ़ें।



नमाज़ का तरीका — मालिकी

11

क्रादा और तशह्हुद

◆ मसलकों में फ़र्क

हर क्रादे में बाएँ कूल्हे पर बैठें और दायाँ पैर खड़ा रखें (तवरूक)। हज़रत उमर (रज़ि.) वाला तशह्हुद पढ़ें; पूरे तशह्हुद में दाएँ हाथ की शहादत की उंगली आहिस्ता-आहिस्ता दाएँ-बाएँ हिलाते रहें।

तशह्हुद — उमर (रज़ि.) की रिवायत

मुवत्ता इमाम मालिक 203

اَللّٰهُمَّ صَلِّ عَلَى النَّبِيِّ وَرَحْمَةً
اَللّٰهُمَّ عَلَيْنَا وَعَلَى عِبَادِ اللّٰهِ الصّٰلِحِيْنَ، اَشْهَدُ اَنْ لَا اِلَهَ اِلَّا اللّٰهُ وَاَشْهَدُ
اَنْ مُحَمَّدًا عَبْدُهُ وَرَسُوْلُهُ

अत्तहिय्यातु लिल्लाह, अज़्ज़ाकियातु लिल्लाह, अत्तय्यिबातुस-सलवातु लिल्लाह। अस्सलामु अलैका अय्युहन-नबिय्यु व रहमतुल्लाहि व बरकातुह। अस्सलामु अलैना व अला इबादिल्लाहिस-सालिहीन। अशहदु अल्ला इलाहा इल्लल्लाहु व अशहदु अन्ना मुहम्मदन अब्दुह व रसूलुह

मतलब: तहिय्यात अल्लाह के लिए हैं, पाकीज़ा आमाल अल्लाह के लिए हैं, पाकीज़ा कलिमात और नमाज़ें अल्लाह के लिए हैं। ऐ नबी! आप पर सलाम हो और अल्लाह की रहमत और उसकी बरकतें। हम पर और अल्लाह के नेक बंदों पर सलाम हो। मैं गवाही देता हूँ कि अल्लाह के सिवा कोई माबूद नहीं, और मैं गवाही देता हूँ कि मुहम्मद ﷺ उसके बंदे और रसूल हैं।

12

तीसरी और चौथी रकअत

“अल्लाहु अकबर” कहकर खड़े हों और बाक़ी रकअतों में सिर्फ़ सूरह फ़ातिहा पढ़ें।

13

क्रादा-ए-अख़ीरा

आखिरी क्रादे में तशह्हुद, दुरूद-ए-इब्राहीमी और कोई दुआ पढ़ें:

तशह्हुद — उमर (रज़ि.) की रिवायत

मुवत्ता इमाम मालिक 203

اَللّٰهُمَّ صَلِّ عَلَى النَّبِيِّ وَرَحْمَةً
اَللّٰهُمَّ عَلَيْنَا وَعَلَى عِبَادِ اللّٰهِ الصّٰلِحِيْنَ، اَشْهَدُ اَنْ لَا اِلَهَ اِلَّا اللّٰهُ وَاَشْهَدُ
اَنْ مُحَمَّدًا عَبْدُهُ وَرَسُوْلُهُ

अत्तहिय्यातु लिल्लाह, अज़्ज़ाकियातु लिल्लाह, अत्तय्यिबातुस-सलवातु लिल्लाह। अस्सलामु अलैका अय्युहन-नबिय्यु व रहमतुल्लाहि व बरकातुह। अस्सलामु अलैना व अला इबादिल्लाहिस-सालिहीन। अशहदु अल्ला इलाहा इल्लल्लाहु व अशहदु अन्ना मुहम्मदन अब्दुह व रसूलुह

मतलब: तहिय्यात अल्लाह के लिए हैं, पाकीज़ा आमाल अल्लाह के लिए हैं, पाकीज़ा कलिमात और नमाज़ें अल्लाह के लिए हैं। ऐ नबी! आप पर सलाम हो और अल्लाह की रहमत और उसकी बरकतें। हम पर और अल्लाह के नेक बंदों पर सलाम हो। मैं गवाही देता हूँ कि अल्लाह के सिवा कोई माबूद नहीं, और मैं गवाही देता हूँ कि मुहम्मद ﷺ उसके बंदे और रसूल हैं।



नमाज़ का तरीका — मालिकी

13 • क़ादा-ए-अख़ीरा (जारी)

दुरूद-ए-इब्राहीमी

सहीह बुखारी 3370

اَللّٰهُمَّ صَلِّ عَلٰى مُحَمَّدٍ وَعَلٰى آلِ مُحَمَّدٍ كَمَا صَلَّيْتَ عَلٰى اِبْرٰهِيْمَ وَعَلٰى آلِ اِبْرٰهِيْمَ
اِنَّكَ حَمِيْدٌ مَّجِيْدٌ، اَللّٰهُمَّ بَارِكْ عَلٰى مُحَمَّدٍ وَعَلٰى آلِ مُحَمَّدٍ كَمَا بَارَكْتَ عَلٰى
اِبْرٰهِيْمَ وَعَلٰى آلِ اِبْرٰهِيْمَ اِنَّكَ حَمِيْدٌ مَّجِيْدٌ

अल्लाहुम्मा सल्लि अला मुहम्मदिव-व अला आलि मुहम्मदिन कमा सल्लैता अला इब्राहीमा व अला आलि इब्राहीमा इन्नका हमीदुम-मजीद। अल्लाहुम्मा बारिक अला मुहम्मदिव-व अला आलि मुहम्मदिन कमा बारक्ता अला इब्राहीमा व अला आलि इब्राहीमा इन्नका हमीदुम-मजीद

मतलब: ऐ अल्लाह! मुहम्मद ﷺ और आले मुहम्मद पर रहमत नाज़िल फ़रमा जैसे तूने इब्राहीम (अलैहिस्सलाम) और आले इब्राहीम पर रहमत नाज़िल फ़रमाई, बेशक तू तारीफ़ के लायक़, बुज़ुर्गी वाला है। ऐ अल्लाह! मुहम्मद ﷺ और आले मुहम्मद पर बरकत नाज़िल फ़रमा जैसे तूने इब्राहीम (अलैहिस्सलाम) और आले इब्राहीम पर बरकत नाज़िल फ़रमाई, बेशक तू तारीफ़ के लायक़, बुज़ुर्गी वाला है।

सलाम से पहले एक दुआ

सहीह बुखारी 6389 • कुरआन 2:201

اَللّٰهُمَّ رَبَّنَا اٰتِنَا فِي الدُّنْيَا حَسَنَةً وَفِي الْاٰخِرَةِ حَسَنَةً وَقِنَا عَذَابَ النَّارِ
अल्लाहुम्मा रब्बना आतिना फ़िद-दुन्या हसनतन व फ़िल-आख़िरति हसनतन व फ़िना अज़ाबन-नार

मतलब: ऐ अल्लाह! ऐ हमारे रब! हमें दुनिया में भी भलाई अता फ़रमा और आख़िरत में भी भलाई अता फ़रमा, और हमें आग के अज़ाब से बचा।

कुरआन से एक और दुआ

कुरआन 14:40-41

رَبِّ اجْعَلْنِي مُقِيْمَ الصَّلٰوةِ وَمِنْ ذُرِّيَّتِي ۖ رَبَّنَا وَتَقَبَّلْ دُعَاۤءِ ۝ رَبَّنَا اغْفِرْ لِيْ
وَلِوَالِدَيَّ وَلِلْمُؤْمِنِيْنَ يَوْمَ يَقُوْمُ الْحِسَابُ

रब्बिज-अल्नी मुक्कीमस-सलाति व मिन ज़ुर्रिय्यती, रब्बना व तक़बूल दुआ। रब्बन!-फ़िर ली व लि-वालिदय्या व लिल-मोमिनीना यौमा यक्कुमुल-हिसाब

मतलब: ऐ मेरे रब! मुझे नमाज़ क़ायम करने वाला बना और मेरी औलाद में से भी। ऐ हमारे रब! मेरी दुआ क़बूल फ़रमा। ऐ हमारे रब! मुझे, मेरे माँ-बाप को और सब ईमान वालों को उस दिन बरखा दे जिस दिन हिसाब क़ायम होगा।

आज मेरी नमाज़ के औक़ात

घर या मस्जिद से पूछकर आज के औक़ात लिखें।

फ़ज़्र

ज़ुहर

अस्र

मग़रिब

इशा



नमाज़ का तरीका — मालिकी

14

सलाम

◆ मसलकों में फ़र्क

एक सलाम फेरें: सामने की तरफ़, थोड़ा दाईं तरफ़ मुड़ते हुए। मुक़तदी इमाम के सलाम का जवाब भी दे, और अगर बाईं तरफ़ कोई हो तो उसे भी।

सलाम

📖 सुनन अबी दाऊद 996

السَّلَامُ عَلَيْكُمْ
अस्सलामु अलैकुम

मतलब: आप पर सलामती हो।

15

नमाज़ के बाद

सलाम के बाद 3 बार “अस्तग़फ़िरुल्लाह” कहें, फिर तस्बीह पढ़ें:

नमाज़ के बाद

📖 सहीह मुस्लिम 596

×33

سُبْحَانَ اللَّهِ

×33

الْحَمْدُ لِلَّهِ

×34

اللَّهُ أَكْبَرُ

सुबहानल्लाह (33×) · अल्हम्दु लिल्लाह (33×) · अल्लाहु अकबर (34×)

मतलब: अल्लाह पाक है · सब तारीफ़ अल्लाह के लिए है · अल्लाह सबसे बड़ा है।



फ़ज़्र में कुनूत, और वित्र

◆ मसलकों में फ़र्क

फ़ज़्र (सुबह) की दूसरी रकअत में सूरह के बाद और रुकू से पहले आहिस्ता से कुनूत पढ़ें (मुस्तहब)। यह “अल्लाहुम्मा इन्ना नस्तईनुका...” से शुरू होती है — मालिकी अल्फ़ाज़ अपने उस्ताद से सीखें। वित्र 1 रकअत है जो 2 रकअत (शफ़अ) के बाद अलग सलाम से पढ़ी जाती है।

मुझे ज़बानी याद अल्फ़ाज़

उन अज़कार के नाम लिखें जो आप बिना देखे पढ़ सकते हैं।



नमाज़ का तरीका — मालिकी

मेरी नमाज़ का ट्रैकर

हर वह नमाज़ जो वक़्त पर पढ़ें, उसका गोला रंग दें।

हफ़्ता 1

	फ़ज़्र	जुहर	अस्र	मग़रिब	इशा
सोम	☐	☐	☐	☐	☐
मंगल	☐	☐	☐	☐	☐
बुध	☐	☐	☐	☐	☐
जुमेरात	☐	☐	☐	☐	☐
जुमा	☐	☐	☐	☐	☐
शनि	☐	☐	☐	☐	☐
इतवार	☐	☐	☐	☐	☐

हफ़्ता 2

	फ़ज़्र	जुहर	अस्र	मग़रिब	इशा
सोम	☐	☐	☐	☐	☐
मंगल	☐	☐	☐	☐	☐
बुध	☐	☐	☐	☐	☐
जुमेरात	☐	☐	☐	☐	☐
जुमा	☐	☐	☐	☐	☐
शनि	☐	☐	☐	☐	☐
इतवार	☐	☐	☐	☐	☐

मुझे ये ज़बानी याद हैं

सूरह फ़ातिहा ☐	एक छोटी सूरह — सूरह इख़लास ☐	रुकू की तस्बीह ☐
रुकू से उठते हुए ☐	क्रौमे की तहमीद ☐	सज्दे की तस्बीह ☐
तशह्हुद — उमर (रज़ि.) की रिवायत ☐	दुरूद-ए-इब्राहीमी ☐	सलाम से पहले एक दुआ ☐
क़ुरआन से एक और दुआ ☐	सलाम ☐	नमाज़ के बाद ☐

उस्ताद के दस्तख़त

वालिदैन के दस्तख़त



सर्टिफिकेट

رَبِّ اجْعَلْنِي مُقِيمَ الصَّلَاةِ

यह सर्टिफिकेट दिया जाता है

नमाज़ का तरीका क़दम-ब-क़दम सीखने पर — माशाअल्लाह!

मालिकी



तारीख

उस्ताद / वालिदैन